कम्पोस्ट टी

सामग्री	विधि	लाभ
10 लीटर का ड्रम या स्कवायर आकार का पक्का सीमेंट पीट	एक किलो तैयार कम्पोस्ट को सूती कपड़े की पोटली में बांध कर मटका/हौदी/ड्रम में एक लकडी के सहारे बांध कर लटका दें	कम्पोस्ट टी के प्रयोग से फसल व सब्जियों में प्राकृतिक रूप से वृद्धि हाती है
तीन किग्रा तैयार कम्पोस्ट (न्यूनतम 30 प्रतिशत आर्द्रता के साथ)	अगले दिन से मटका/हौदी/ड्रम के घोल को प्रतिदिन हिलायें जिससे कम्पोस्ट के पोषक तत्व उस पानी में आ जायें	फसल स्वस्थ, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है
एक मीटर पुराना सूती कपड़ा (पोटली बनाने हेतु)	इस प्रकार घोल को न्यूनतम 7 दिन तक घोलने के पश्चात् मटका/हौदी/ड्रम के घोल के मिश्रण को लगभग 5 गुना पानी में मिलाकर क्षेत्रफल के आधार पर खड़ी फसल अथवा सब्जियों में प्रयोग करें	फल व फूलों की संख्या में वृद्धि होती है।

सावधानियां – ध्यान रखें की कम्पोस्ट टी बनाने में प्रयोग कम्पोस्ट, खाद में परिवर्तित की गई है तथा उसमें आर्द्रता पर्याप्त मात्रा में है

गोयल ग्रामीण विकास संस्थान

श्रीरामशान्ताय

जैविक कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र

राजस्थान जैविक प्रमाणीकरण संस्थान जयपुर द्वारा प्रमाणित

ग्राम जाखोड़ा, कैथून-सांगोद मार्ग, कोटा - 325001 (राजस्थान)

88759 95439 ggvs@goyalglobal.com www.ggvsglobal.com